ॐ जय जगदीश हरे ,
स्वामी जय जगदीश हरे ।
भक्त जनों के संकट ,
दास जनों के संकट ,
क्षण में दूर करे ।
ॐ जय जगदीश हरे ॥
जो ध्यावे फल पावे ,
दुःखबिन से मन का ,
स्वामी दुःखबिन से मन का ।
सुख सम्पति घर आवे ,
सुख सम्पति घर आवे ,
कष्ट मिटे तन का ।
ॐ जय जगदीश हरे ॥
मात पिता तुम मेरे ,
शरण गहूं किसकी ,
स्वामी शरण गहूं मैं किसकी ।
तुम बिन और न दूजा ,
तुम बिन और न दूजा ,
आस करूं मैं जिसकी ।
ॐ जय जगदीश हरे ॥
तुम पूरण परमात्मा ,

www.yousigma.com

तुम अन्तर्यामी ,
स्वामी तुम अन्तर्यामी ।
पारब्रह्म परमेश्वर ,
पारब्रह्म परमेश्वर ,
तुम सब के स्वामी ।
ॐ जय जगदीश हरे ॥
तुम करुणा के सागर ,
तुम पालनकर्ता ,
स्वामी तुम पालनकर्ता ।
मैं मूरख फलकामी
मैं सेवक तुम स्वामी ,
कृपा करो भर्ता ।
ॐ जय जगदीश हरे ॥
तुम हो एक अगोचर ,
सबके प्राणपति ,
स्वामी सबके प्राणपति ।
किस विधि मिलूं दयामय ,
किस विधि मिलूं दयामय ,
तुमको मैं कुमति ।
ॐ जय जगदीश हरे ॥
दीन -बन्धु दुःख -हर्ता ,

www.yousigma.com

ठाकुर तुम मेरे ,
स्वामी रक्षक तुम मेरे ।
अपने हाथ उठाओ ,
अपने शरण लगाओ
द्वार पड़ा तेरे ।
ॐ जय जगदीश हरे ॥
विषय -विकार मिटाओ ,
पाप हरो देवा ,
स्वमी पाप हरो देवा ।
श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ ,
श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ ,
सन्तन की सेवा ।
ॐ जय जगदीश हरे ॥

www.yousigma.com